

## बीईएल में राजभाषा कार्यान्वयन Official Language Implementation in BEL

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में देश को आत्म-निर्भर बनाने की दूरदर्शिता के साथ, भारत सरकार ने रक्षा मंत्रालय के अधीन वर्ष 1954 में बेंगलूरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की स्थापना की। साधारण शुरुआत करते हुए बीईएल ने लंबी यात्रा तय की। अब यह एक नवरत्न पीएसयू और भारत की अग्रणी रक्षा इलेक्ट्रॉनिक कंपनी है।

**Guided by a farsighted vision to make the country self-reliant in Defence electronics, Bharat Electronics Limited (BEL) was set up in Bengaluru in 1954 by the Government of India under the Ministry of Defence (MoD). From a humble beginning, BEL has come a long way. It is now a Navratna PSU and India's foremost Defence electronics company.**

बीईएल एक बहु-उत्पाद, बहु-प्रौद्योगिकी, बहु-युनिटों की सम्मिश्रित कंपनी है जिसके उत्पाद रक्षा खंड में रेडार, मिसाइल प्रणालियों, सैन्य संचार, नौसैनिक प्रणालियों, इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति एवं वैमानिकी, सी4आई प्रणालियों, इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स, टैंक इलेक्ट्रॉनिकी एवं गन / शस्त्र प्रणाली के अपग्रेड के क्षेत्र में और गैर-रक्षा खंड में गृहभूमि सुरक्षा एवं स्मार्ट सिटी, सायबर सुरक्षा, साफ्टवेयर सेवा, ऊर्जा, भंडारण उत्पाद और कंपोजिट शेल्टर और मास्ट के अलावा इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों (ईवीएम) के क्षेत्रों में बनाए जाते हैं।

**BEL is a multi-product, multi-technology, multi-Unit conglomerate having products in the areas of Radars, Missile Systems, Military Communications, Naval Systems, Electronic Warfare & Avionics, C4I Systems, Electro Optics, Tank Electronics & Gun/Weapon System Upgrade in the Defence segment and the non-Defence Segment include Homeland Security & Smart Cities, Solar, Satellite Integration & Space Electronics, Railways, Artificial Intelligence, Cyber Security, Software as a Service, Energy Storage Products and Electronic Voting Machines (EVMs), besides Composite Shelters & Masts.**

बीईएल के ग्राहकों में थलसेना, नौसेना, वायुसेना, तटरक्षक बल, अर्धसैनिक बल, पुलिस, राज्य सरकारी विभाग और पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक घटकों के उपभोक्ता शामिल हैं।

**BEL's customers include the Army, Navy, Air Force, , Coast Guard, Paramilitary Force, Police, state government departments and consumers of professional electronic components.**

रक्षा और रक्षा-इतर इलेक्ट्रॉनिकी के उपर्युक्त क्षेत्रों के अलावा बीईएल भारत सरकार की सभी सांविधिक अपेक्षाओं को पूरा करने में भी अग्रणी रही है। चाहे वह आरक्षण नीति हो, कर्मचारियों का कल्याण हो, दिव्यांग जनों का कल्याण हो, सुरक्षा, संरक्षा, गुणता हो, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व हो या राजभाषा कार्यान्वयन हो। बीईएल में भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन महज एक सांविधिक आवश्यकता नहीं बल्कि कंपनी के लगभग संपूर्ण कार्यकलापों का अभिन्न हिस्सा है, एक संस्कृति है जिसे अपने उद्योग के हर स्तर पर आत्मसात करने का प्रयास किया जाता है। बीईएल में राजभाषा कार्यान्वयन, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं है वरन् इससे कहीं बढ़कर है। भारत सरकार के द्विभाषी और त्रिभाषी सूत्र को कंपनी में पूरे मनोभाव के साथ अपनाया जाता है।

**Be it reservation policy, welfare measures for employees and PWD, safety, quality, CSR or OL implementation, BEL has been on its forefront to comply with all statutory requirements of Govt. of India apart from above areas of Defence and Non-Defence Electronics. OL implementation in BEL is not only a statutory requirement, but an integral part of its official affairs, a culture which is imbibed in all areas of its business. It is not limited to meeting the targets prescribed by Dept. of OL, MHA, it is beyond that. Bilingual and Trilingual policy of GoI is adopted in letter and spirit.**

राजभाषा विभाग के तीन स्तंभ प्रशिक्षण, अनुवाद और कार्यान्वयन कंपनी में राजभाषा कार्यान्वयन की बुनियाद हैं। राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आज हमारी कंपनी भारत सरकार द्वारा क्षेत्रवार निर्धारित लक्ष्यों को न्यूनतम लक्ष्य मानकर चलती है। नवोन्मेषी प्रोत्साहन योजनाएँ जो न केवल कर्मचारियों/ अधिकारियों तक सीमित हैं, बल्कि उनके परिवार और समग्र रूप से समाज तक व्याप्त हैं। कंपनी की राजभाषा दृष्टि व ध्येय के अंतर्गत अनुवाद की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अनुवादक पैनल, कंप्यूटरीकरण के लिए ई-टूल का प्रयोग, राजभाषा अंकेक्षण समिति, तकनीकी विषयों के समाधान के लिए तकनीकी समिति, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के समन्वय से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक शब्दावली तैयार करना, कंपनी भर में राजभाषा की उच्च स्तर की निगरानी के लिए राजभाषा शिखर समिति जिसके अध्यक्ष स्वयं सीएमडी और सदस्य सभी यूनिट प्रमुख होते हैं, छमाही हिंदी पत्रिकाओं का नियमित प्रकाशन और इन प्रयासों के फलस्वरूप कंपनी को प्राप्त पुरस्कार और मान्यताएँ आदि इसके उदाहरण हैं।

**The three wings of OL Department namely Training, Translation and Implementation are foundation for OL implementation in the company. Towards OL implementation of OL, today our company considers region-wise targets set by the Government of India as minimum targets. Innovative incentive schemes are not only limited to employees/ officers, but also extended to their families and society as a whole. In order to facilitate smooth functioning of OL implementation, we have Panel of Translators to meet the requirement of translation, e-Tools for computerisation, OL Audit Committee, a Technical Committee to resolve technical issues, Preparation of Defence Electronic Terminology in coordination with Commission for Scientific and Technical Terminology, Rajbhasha Shikhar Samiti for high level monitoring of official language across the company, which is headed by CMD and all Unit Heads as its members, timely periodic publication of half-yearly Hindi magazines. The awards and recognitions received by the company for OL implementation reconfirm our dedication and efforts.**